

क्रमांक 1291-ज-II-84/28741.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सीपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती पारवती देवी, विधवा श्री मामचन्द, गांव बोहतावास भोंदू, तहसील रिवाड़ी, जिला महेंद्रगढ़, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1260-ज-(II)-84/28746.—श्री मांगे राम, पुत्र श्री टेक चन्द, गांव बड़की, तहसील व जिला रोहतक की दिनांक 31 अगस्त, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री मांगे राम की मुल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 425-ज-II-71/29304, दिनांक 24 सितम्बर, 1971 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती पतासी के नाम रबी, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1258-ज-II-84/28750.—श्री मोजी राम, पुत्र श्री रामजीलाल, गांव भगवतीपुर, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 9 अक्टूबर, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मोजी राम की मुल्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 17585-जे.एन.-III-69/20231 दिनांक 29 सितम्बर, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-भार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सुजानी के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी० आर० तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।

IRRIGATION AND POWER DEPARTMENT

ORDER

The 17th October, 1984

No. 11932/2-L.—Whereas the land described in the Haryana Government Notification No. 9383/2-L, dated 10th August, 1984, issued under section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, has been declared to be needed at the expense of the Government of Haryana for a public purpose, namely, for the construction of Babu Minor from kilometre 0 to kilometre 3.400 off taking at Kilometre 13.106 Right Chirya Distributary in village Bahu in tehsil Kosli district Rohtak.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7 of the Land Acquisition Act, 1894, the Governor of Haryana hereby directs the Land Acquisition Collector, Public Works Department, Irrigation Branch, Narnaul to take order the acquisition of the land described in the specification appended to the declaration published with the aforesaid notification.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Village	Area in Acres	Hadbast Number	Boundary
Rohtak	Kosli	Bahu	11.76	18	A strip of land measuring 3.400 Kilometre 11,155 feet in length and varying in width passing through full/part killa numbers.

By order of Governor of Haryana,

S. C. AHUJA,

Superintending Engineer,

Jawahar Lal Nehru Canal Circle No. II, Rohtak.